विद्या भवन खोज-ख़बर

वर्ष–4 | अंक–10 | जनवरी–मार्च, 2016

www.vidyabhawan.org

जरूरी है आत्मावलोकन

डॉ.(श्रीमती) वि.वि. सिंह

किसी भी व्यक्ति या संस्था के जीवन काल में उतार-चढ़ाव, सफलताएं-असफलताएं स्वाभाविक हैं। विद्या भवन की उपलब्धियां अनेक हैं और वे हमारे संतोष का कारण हो सकती हैं किन्तु अपनी भूलों से सीखना और अपनी कमियों को पहचानना, उनका विश्लेषण, निष्कर्ष-निरूपण अग्रिम विकास के लिए अति-आवश्यक है। तभी हम समय के साथ उचित सामंजस्य बैठाते हुए विकास की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

आजादी से 16 वर्ष पूर्व विद्या भवन की स्थापना शिक्षा के क्षेत्र में एक साहसिक कदम है। यह मेवाड़ जैसे पिछड़े क्षेत्र का संभवतः पहला विद्यालय है, जहां सह-शिक्षा आरम्भ हुई। गरीब-अमीर के बीच समानता को स्थापित करने हेतु यूनिफार्म को लागू किया गया। हाथ से काम करने के कौशल, शारीरिक श्रम व खेल को महत्व दिया गया। पूरे दिन का विद्यालय जिसमें चरित्र निर्माण और आत्मविश्वास के विकास तथा आपसी प्रतिद्वंद्विता की अपेक्षा परस्पर सहयोग और समूह भावना पर बल दिया गया।

85 वर्ष पूर्व एक छोटे से पौधे से प्रारम्भ होकर विद्या भवन अब एक वटवृक्ष का रूप ले चुका है। संस्था कितनी भी बड़ी व कितनी भी पुरानी हो जाए, हमें संस्था के मूल उद्देश्यों को हमेशा याद रखना चाहिए और समय-समय पर आत्मावलोकन व स्वमूल्यांकन करते रहना चाहिए। आवश्यकतानुसार परिवर्तन भी अपेक्षित है किन्तु उससे पूर्व वैचारिक मंथन भी आवश्यक है।

विद्या भवन आरम्भ से ही धर्मनिरपेक्षता, बहुलतावादी, उदारवादी तथा समतावादी मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहा है। विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के साथ उसे एक ऐसा जिम्मेदार नागरिक बनाना जिसमें पर्यावरणीय संवेदनशीलता हो, सांस्कृतिक विरासत के प्रति अनुराग हो, परिस्थितियों का सही आंकलन कर स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता हो, यही संस्था का मूल उद्देश्य रहा है।

विद्या भवन में समय-समय पर देश के ख्यातिलब्ध शिक्षाविदों, समाज-सेवियों तथा राजनेताओं का पदार्पण हुआ। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, डॉ. राधाकृष्णन, श्री राजगोपालाचारी, डॉ. ज़ाकिर हुसैन, पं. जवाहर लाल नेहरू, श्रीमती इंदिरा गांधी, श्री मोरार जी देसाई, आचार्य नरेन्द्र देव, श्री सी.एफ. एण्ड्रूज, श्री जय प्रकाश नारायण आदि महानुभाव वार्षिकोत्सवों तथा विभिन्न अवसरों पर

शेष पृष्ठ 2 पर...

अंदर देखें...

- ✓ खेल–कूद की रही है परंपरा 3
- ✓ मकर संक्रान्ति पर्व मनाया 4
- ✓ नाटक में जल संरक्षण का संदेश 5
- ✓ वार्षिक उत्सव – मल्हार 6
- ✓ संवाद कौशल में कमजोरी खतरा 7
- ✓ विद्यार्थी समझे अच्छी शिक्षा का अर्थ 9
- ✓ कृषि मेले का आयोजन 13
- ✓ हिन्दी में सामग्री निर्माण 15

बेसिक स्कूल में मकर संक्रांति पर्व पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी

सम्पादकीय...

विद्या भवन खोज-ख़बर न्यूज लेटर अपने चौथे वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इस अंक को प्रस्तुत करते हुए हम सभी को अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है। खोज-ख़बर का संपादक मण्डल आशा करता है कि खोज-ख़बर पढ़ कर आप विद्या भवन की शैक्षिक और सह-शैक्षिक प्रवृतियों से परिचित हो रहे हैं। नए वर्ष की शुरूआत में बेसिक स्कूल ने मकर संक्रांति, रूरल इंस्टीट्यूट ने गणतंत्र दिवस तथा सीनियर सैकण्डरी स्कूल ने बसंतोत्सव मनाया। ये तीनों ऐसे कार्यक्रम हैं जिन्हें विद्या भवन की सभी संस्थाएं मिलकर एक उत्सव के रूप में मनाती है। विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास तथा चरित्र निर्माण हो सके, भविष्य के इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए विद्या भवन की विभिन्न संस्थाओं में इस तरह के उत्सव एवं साहित्यिक गतिविधियों के साथ वाद-विवाद प्रतियोगिताएं, खेल, महापुरूषों की जयन्तियां आदि का आयोजन किया जाता रहा है। इस अंक में विद्यार्थियों की सृजनात्मक अभिव्यक्तियों के अतिरिक्त विद्या बंधु संघ की ओर से विद्यार्थियों को दी जाने वाली सहायता राशि का ब्यौरा और कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों के अनुभवों को भी शामिल किया गया है।

संपादक मण्डल सभी संस्था प्रधानों और रिपोर्टर्स के प्रति आभार व्यक्त करता है जो खोज-ख़बर के प्रकाशन में सहयोग कर रहे हैं।

सलाहकार
हृदय कान्त दीवान

संपादन
गिरीश शर्मा ✦ अंजना राव

ले-आउट, डिजाइनिंग
एस.एम. इकराम

ओल्ड बॉयस ने जीता क्रिकेट मैच

विद्या भवन सोसायटी और विद्या बंधु संघ के बीच क्रिकेट मैच 10 जनवरी को यहां विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल में खेला गया। विद्या भवन सोसायटी टीम ने जीत के लिए 138 रन का लक्ष्य रखा जिसे विद्या बंधु संघ की टीम ने 4 विकेट से जीत लिया। विद्या बंधु संघ की ओर से चितरांग, विवेक शर्मा, हरिश आहूजा और रवीन्द्र पाल सिंह कप्पू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को जीत दिलाई। विद्या भवन सोसायटी की ओर से कैलाश चन्द्र गायरी, प्रसून कुमार और कुलदीप शर्मा ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि पूर्व छात्र नरेन्द्र जोशी थे। इस मौके पर विद्या भवन सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष रियाज़ तहसीन भी उपस्थित थे। एंपायर इन्दरसिंह राणा तथा स्कोरर ओम प्रकाश यादव थे।

विद्या भवन अकादमिक सलाहकार समिति

विद्या भवन सोसायटी के शैक्षिक सलाहकार कमल महेन्द्रू के सुझाव पर विद्या भवन आकदमिक सलाहकार समिति की 45वीं बैठक 3 जून, 2016 को विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केंद्र के सेमिनार कक्ष में होगी। यह जानकारी विद्या भवन सोसायटी के मानव संसाधन विभाग के एक्जीक्यूटीव जाहिद मोहम्मद ने दी। उन्होंने बताया कि बैठक में अगले सत्र में विद्या भवन और विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट में विद्यार्थियों की प्रवेश संख्या बढ़ाने पर चर्चा होगी साथ ही विद्या भवन की विभिन्न संस्थाओं में नए संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रम तथा पिछले अकादमिक सत्र तथा आगे आने वाले नए सत्र के लिए शैक्षिक, फाइनेंस और संसाधन की योजनाओं पर भी चर्चा की जाएगी। जाहिद मोहम्मद ने बताया कि विद्या भवन की विभिन्न संस्थाओं के संस्था प्रधान तथा सदस्य जो इस कमेटी के सदस्य है इस बैठक में भाग लेंगे।

...पृष्ठ 1 का शेष

संस्था में आए। पंडित हृदयनाथ कुंजरू, प्रो. जदुनाथ सरकार, श्री अटल बिहारी वाजपेयी, डॉ. मनमोहन सिंह, श्रीमती प्रतिभा पाटिल, श्रीमती रुकमणि देवी अरुण्डेल, दादा धर्माधिकारी का भी संस्था में आगमन हुआ है। विद्या भवन की प्रारम्भिक विकास यात्रा में देश-विदेश के कई कार्यकर्ता भागीदार बने। इंग्लैण्ड से आई कैथरीन हाइलमन ने भारत में विद्या भवन, उदयपुर से ही कार्यारम्भ किया। फिर वे यहीं से गांधी जी के आश्रम गईं और बाद में सरला बहन के नाम से प्रसिद्ध हुईं। श्री जे.सी. डब्ल्यू रस्ट भी इंग्लैण्ड से आए थे और विद्या भवन में अध्यापन करते हुए जीवन पर्यन्त यहीं रहे। अन्य देशों व देश के कई प्रान्तों से भी शिक्षक समय-समय पर आते रहे। विद्या भवन के पूर्व छात्रों ने भी विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई है।

विद्या भवन का एक गौरवमयी इतिहास रहा है। अपने 85 वर्षों के अनुभवों के आधार पर संस्था को आगे बढ़ाना है- यही हम सभी का प्रयास होना चाहिए।

- पूर्व प्रधानाध्यापिका, विद्या भवन स्कूल
पूर्व सदस्य, खोज-ख़बर संपादन टीम

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल

www.vbssschool.org

खेल-कूद की रही है परंपरा

विद्याभवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल में बसन्तोत्सव मनाया गया। मुख्य अतिथि डॉ. पुष्पा गुप्ता थीं। इस अवसर पर विद्याभवन सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता, प्राचार्य मधुलिका कोठारी, सोसायटी के कार्यकारिणी सदस्य व विद्याबंधु संघ के सदस्य एवं विद्या भवन की सभी संस्थाओं के सदस्य, स्थानीय विद्यालय एवं विद्या भवन की अन्य संस्थाओं के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। सांस्कृतिक कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में ऋतुओं का राजा "ऋतुराज" भी बनाया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बसंत ऋतु से सम्बन्धित गीत, कविताएं, नाटक प्रस्तुत किए। जूनियर स्कूल में विद्यार्थियों ने बसंती कविताओं पर भित्ती पत्रिका बनाई। नर्सरी की 10 बालिकाओं ने नृत्य प्रस्तुत किया। इस मौके पर कक्षा-12 की उर्मिला मेघवाल को गार्गी पुरस्कार दिया गया।

झलकियां

विदाई समारोह- कक्षा-12 के विद्यार्थियों के विदाई समारोह में विद्याबंधु संघ सदस्य जय प्रकाश श्रीमाली, जगमोहन दवे एवं गोपाल बम्ब उपस्थित थे। कक्षा-11 के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कक्षा-12 के छात्रों ने अनुभव बांटे।

स्पोट पेंटिंग- सेवा मंदिर के सौजन्य से आयोजित फोटो प्रदर्शनी देखने विद्यालय के 15 छात्र-छात्राओं का समूह तेज कुन्ज गया। वहां आयोजित स्पोट पेन्टिंग्स में कक्षा-9 के लक्षित चौबीसा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.एन. कॉलेज में आयोजित ई.एस.एल. टीचिंग वर्कशॉप में विद्यालय की अध्यापिका ललिता चेलावत व रेजीना फ्रांसिस ने भाग लिया। कार्यशाला में अंग्रेजी भाषा शिक्षण पर चर्चा हुई।

विदाई समारोह को संबोधित करते विद्यार्थी

बसंत पंचमी पर नृत्य प्रस्तुत करती छात्राएं

विज्ञान दिवस

विद्याभवन रामगिरि स्कूल में आयोजित 'विज्ञान प्रतियोगिता' में विद्यालय के छात्रों ने भाग लिया। इस मौके पर आयोजित मॉडल/प्रयोग प्रदर्शन में प्रथम स्थान कक्षा-7 के भावेश डांगी तथा मोहम्मद मुस्तकीम रज़ा द्वारा बनाए गए मॉडल को मिला। इन्होंने 'सरल विद्युत परिपथ द्वारा सुचालक व कुचालक पदार्थों की पहचान' मॉडल का प्रदर्शन किया। विज्ञान-प्रश्नोत्तरी में कक्षा-9 के खेमराज मेघवाल द्वितीय तथा कक्षा-9 के यश माली तृतीय स्थान पर रहे। निबंध में कक्षा-9 की दीप्ति वैष्णव तृतीय स्थान पर रही। सांत्वना पुरूस्कार कक्षा-9 के प्रदीप मीणा को मिला। चित्रकला में प्रथम स्थान पर कक्षा-9 की केनी सैन रही। जूनियर स्कूल के मेघेश वैष्णव व किरण सालवी को ड्राइंग प्रतियोगिता में पुरस्कृत किया गया।

जूनियर स्कूल में राखी बनाओ प्रतियोगिता

जूनियर विभाग में श्रमदान

जूनियर के सभी विद्यार्थियों ने श्रमदान किया। श्रमदान के अंतर्गत उन्होंने अपनी कक्षा-कक्ष, डेस्क, कुर्सी, ब्लेकबोर्ड, दीवारों व आंगन की सफाई की। सफाई का सामान विद्यार्थी अपने घर से लाए।

खिचड़ी का आनंद

अच्छे स्वास्थ्य के लिए दाल, सब्जी बहुत जरूरी है। नर्सरी के बच्चों इसका महत्त्व बताने के लिए 'सामूहिक भोज' का आयोजन किया गया। सामूहिक भोज के लिए विद्यार्थी अपने घर से दाल, चावल, मटर, आलू एवं अन्य मसाले लेकर आए जिससे नर्सरी परिसर में खिचड़ी पकाई। बच्चों ने "खिचड़ी" का आनन्द लिया एवं खिचड़ी में डाली जाने वाली वस्तुओं की जानकारी ली।

कविता प्रतियोगिता

विद्यालय में कविता प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। नर्सरी में प्रथम लेहाना शर्मा, द्वितीय हेमाक्षी सरगरा तथा तृतीय गरिमा वैष्णव रही। एल.के.जी. से प्रथम चेतना मेघवाल, द्वितीय रोशनी गमेती एवं तृतीय वृतिका श्रीमाली तथा एच.के.जी. से प्रथम पायल गमेती, द्वितीय दिव्यांशी नाथ एवं तृतीय स्वीटी रहीं।

रिपोर्टर : नारायण लाल आमेटा

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल, रामगिरि

www.vbbasicschool.org

विज्ञान मेले का आयोजन

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विद्यालय में आयोजित विज्ञान मेले में अन्तर्विद्यालयी विज्ञान आधारित प्रतियोगिताएं हुईं। मेले में 20 विद्यालयों के 175 विद्यार्थियों ने भाग लिया। माध्यमिक तथा उच्च प्राथमिक स्तर पर चित्रकला प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता, विज्ञान प्रश्नोत्तरी तथा प्रयोग प्रदर्शन (मॉडल) प्रतियोगिताएं तथा प्राथमिक स्तर पर चित्रकला व प्रयोग प्रदर्शन (मॉडल) प्रतियोगिता रखी गई। माध्यमिक स्तर पर विद्यालय से कक्षा-9 की महिमा मेघवाल ने प्रथम तथा कक्षा-9 के ही हेमराज व दीपेश वैष्णव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रयोग प्रदर्शन

प्राथमिक स्तर पर प्रयोग प्रदर्शन में कक्षा-5 की पायल पटेल व पूजा डांगी द्वितीय रही। संचालन विज्ञान शिक्षक नरेन्द्र मेघवाल, आर.डी. वर्मा ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेश भट्ट थे। निर्णायक राजेश भट्ट, कुमुद पुरोहित तथा शक्तिनाथ पुरोहित थे।

अन्तर्विद्यालयी सामान्य ज्ञान

महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पर आलोक इन्टरेक्ट क्लब द्वारा विद्यालय में अन्तर्विद्यालयी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में 17 विद्यालय सम्मिलित हुए। शिक्षक ललित मेनारिया के निर्देशन में आयोजित प्रतियोगिता में विद्यालय से कक्षा 8 की छात्रा कैलाश कुंवर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा-8 की ही सोनू जांगिड़ ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

खेलना विकास के लिए जरूरी

अध्ययन के साथ-साथ खेलना भी बच्चों के विकास के लिए जरूरी है। खेल बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए अनिवार्य है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में खेल दिवस आयोजित हुआ।

कुर्सी के लिए दौड़

प्रारंभ में प्राचार्य ने ध्वजारोहण किया। मुख्य अतिथि विद्या भवन सोसायटी के व्यवस्था सचिव एस.पी. गौड़ एवं तथा विशिष्ट अतिथि हेमराज भाटी ने मार्चपास्ट को सलामी दी। इस मौके पर भाला फेंक, गोला फेंक, डिस्कस थ्रो, दौड़, नन्हें-मुन्ने बच्चों के लिए मेढ़क रेस, टॉफी रेस, चेयर रेस, चम्मच रेस का आयोजन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि अभिभावक परसराम चौबीसा तथा विशिष्ट अतिथि किशनलाल लौहार थे। विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

मकर संक्रान्ति पर्व मनाया

मकर संक्रान्ति पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्या भवन संस्थाओं के विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। मुख्य अतिथि विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय मेहता तथा विशिष्ट अतिथि ओल्ड बॉयज एसोसिएशन की अध्यक्ष पुष्पा शर्मा थीं। विद्या भवन के पूर्व अध्यक्ष रियाज तहसीन ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिका मंजु श्रीमाली की स्वरचित नाटक व कविता विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत की गई। नाटक में सौर मण्डल के ग्रहों तथा पृथ्वी की दुर्दशा का मार्मिक वर्णन किया गया। छात्राओं ने पंजाब का गिद्दा नृत्य व भारत की विभिन्न संस्कृति को एकता में संजोये हुये समूह नृत्य प्रस्तुत किया। इस मौके पर कक्षा-8 से 12 के विद्यार्थियों के लिए रंगोली प्रतियोगिता हुई जिसमें 12 समूहों ने भाग लिया। प्रथम स्थान कक्षा-9 की महिमा, भुवनेश्वरी, रेणुका, लवली, मिनाक्षी ने प्राप्त किया।

महाराणा प्रताप की विशाल मूर्ति देखी

नर्सरी से पांचवीं तक के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण कर टाइगर हिल स्थित महाराणा प्रताप स्मारक देखा। वहां उन्होंने महाराणा प्रताप की भव्य तथा विशाल मूर्ति का अवलोकन किया। शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को महाराणा प्रताप के बारे में सामान्य जानकारी दी गई तथा उनके देश प्रेम, आत्मसम्मान, शौर्य व बलिदान जैसे गुणों से अवगत करवाया।

तृतीय यूनिट टेस्ट

विद्यालय में कक्षा 6 से 12 तक तृतीय टेस्ट हुए। विद्यार्थियों ने टेस्ट की तैयारी की और आत्मविश्वास से उसमें भाग लिया। इसी क्रम में प्राइमरी सेक्शन के विद्यार्थियों का भी असेसमेंट किया गया।

कोई पेड़ बना तो कोई परी

प्राइमरी सेक्शन में आयोजित फैन्सी ड्रेस में विद्यार्थी विभिन्न वेशभूषा धारण करके आए। कोई मैम बना तो, कोई सर। विद्यार्थियों ने पेड़, परी, डॉक्टर, पुलिस तथा किसान जैसे रूप धारण किए। फैन्सी ड्रेस में प्रथम स्थान पर यू.केजी. से नताशा व परी कक्षा-1 से दीपशिखा कक्षा-3 से कपिल द्वितीय कक्षा-5 से पायल तथा पंकज तृतीय रहे।

ऐतिहासिक विरासत से हुए रूबरू

कक्षा-6 से 11 की 66 छात्राएं शैक्षणिक भ्रमण हेतु कुम्भलगढ़ गई। ऐतिहासिक कुम्भलगढ़ दुर्ग से संबंधित विभिन्न महत्त्वपूर्ण जानकारियों से छात्राएं अवगत हुईं। छात्राओं ने यहां तोपखाने, रानी महल, कटारगढ़, शिव मंदिर का अवलोकन किया गया।

पानी की पाइप लाइन बिछाई

विद्यालय में पानी की पाइप लाइन बिछाई गई। पाइप लाईन से परिसर में बनी प्रत्येक टंकी तक पानी सुलभता से पहुंच सकेगा। इससे पेयजल तथा पेड़-पौधे हेतु सिंचाई के लिए सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

रिपोर्टर : पुष्पा राजपूत

विद्या भवन पब्लिक स्कूल

www.vbpublicschool.org

नाटक में जल संरक्षण का संदेश

विद्या भवन पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों की ओर से विलास जानवे के सानिध्य में नीमच खेड़ा में एक नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य पूरे विश्व में तेजी से घट रहे पानी एवं उससे उत्पन्न भारी जल संकट के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए जल संरक्षण को बढ़ावा देना था। विद्यालय की टीम में संजना मालवीय, दक्षराज सिंह राव, हर्षवर्धन सिंह राव, पीयूष सिंह व गुंजन सिंह ने प्रतिनिधित्व किया।

संस्कृति का ज्ञान लिया

आधुनिक ज्ञान विज्ञान के साथ अपनी संस्कृति, इतिहास व महापुरुषों के जीवन चरित्र, राष्ट्रीय परम्पराओं का परिचय कराती संस्कृति ज्ञान-परीक्षा में कक्षा-4 से 12वीं के 40 बच्चों ने भाग लिया। विद्या भारती शिक्षण संस्थान के सानिध्य में बच्चों ने काफी उत्साह एवं उमंग से भाग लिया।

कुश्ती में गाड़े झण्डे

गरिमा एवं चर्चित

राजीव गांधी खेल अभियान के तहत भरतपुर में दो दिवसीय अण्डर-16 राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में स्थानीय विद्यालय के तीन खिलाड़ियों गरिमा पाटीदार, प्रेरणा जानी एवं चर्चित प्रजापत ने भाग लिया। गरिमा पाटीदार ने अजमेर, हनुमानगढ़ व चित्तौड़ के पहलवानों को हराकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया जबकि प्रेरणा जानी व चर्चित प्रजापत का संतोषजनक प्रदर्शन रहा। इससे पहले जयपुर में जूड़ो प्रतियोगिता में चर्चित प्रजापत ने भाग लिया एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

महाराणा प्रताप को जाना बच्चों ने

इंटरनेट क्लब, उदयपुर की ओर से विद्यालय में आयोजित प्रताप के जीवन को रूबरू कराती सामान्य ज्ञान परीक्षा में बच्चों ने महाराणा प्रताप के जन्म स्थान, उनकी विजय यात्रा उनके घोड़े व हाथियों आदि पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए। इसके साथ ही सामान्य ज्ञान, राजनैतिक, खेलकूद व समसामयिक जानकारियों से संबंधित प्रश्नों के जवाब भी बच्चों ने काफी उत्साहपूर्वक दिए।

नीमच खेड़ा में नुक्कड़ नाटक का मंचन

फोटोग्राफी में देखा देश-विदेश

सेवा मंदिर की ओर से फोटोग्राफी प्रदर्शनी का आयोजन तेजकुंज, अम्बावगढ़ पैलेस में हुआ। स्थानीय विद्यालय के कक्षा-9 के 15 छात्रों ने शिक्षक ललित कुमार पूर्बिया के साथ प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में विदेशी दल के सदस्यों ने बच्चों को देश-विदेश के चर्चित स्थानों, पहनावों, उनकी संस्कृति को चित्रों द्वारा दर्शाया एवं बच्चों से बातचीत करते हुए उनकी जिज्ञासाओं को शान्त किया। इस मौके पर बच्चों ने आकर्षक चित्र बनाए।

समेकित-II परीक्षा हुई शुरू

कक्षा प्रथम से ग्यारहवीं तक की परीक्षा मार्च में शुरू हुई। कक्षा-1 से 8 तक की परीक्षा 1 मार्च, 2016 से शुरू हुई एवं कक्षा-9 से 11 की एस.ए.-2 परीक्षा 11 मार्च से शुरू हुई। बच्चों ने परीक्षा के प्रति खासी लगन का प्रदर्शन किया।

कैरियर गाइडेंस में सफलता के गुर

एम.के. जैन क्लासेज, उदयपुर की ओर से विद्यालय के सभागार में कैरियर गाइडेंस वर्कशॉप का आयोजन हुआ। वर्कशॉप में कक्षा-9 से 11 के छात्र-छात्राओं को कैरियर निर्माण के तत्वों के संबंध में बताया गया। डॉ. एम.के. जैन ने बताया कि असफलता जैसी कोई चीज नहीं होती। दृढ़ निश्चय एवं भरपूर इच्छा शक्ति के द्वारा कोई भी सफलता पायी जा सकती है। उन्होंने बच्चों को पूर्ण आत्मविश्वास एवं लगन से कार्य करने की प्रेरणा दी, साथ ही उन्होंने कहा कि जो भी आप प्राप्त करना चाहते हैं उसकी कार्य योजना अर्थात् ब्लूप्रिंट पहले से ही तैयार कर लें एवं उसी अनुसार अपने उद्देश्य निर्धारित कर आगे बढ़ें।

नामांकन हेतु प्रचार

विद्यालय के शिक्षकों ने विद्यालय में अधिकाधिक नामांकन कराने के उद्देश्य से शहरी क्षेत्र के आसपास के गांवों हवाला खुर्द, बेदला, देवाली क्षेत्र, नीमच खेड़ा व अम्बामाता क्षेत्र में घर-घर जाकर विद्यालय की विशेषताओं को बताते हुए पेम्पलेट बांटते हुए व्यापक प्रचार-प्रसार किया। शिक्षकों ने बच्चों के अभिभावकों को विद्यालय से संबंधित जिज्ञासाओं का भी उचित जवाब देकर संतुष्ट किया।

रिपोर्टर : ललित पूर्बिया

विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट

www.vbriudaipur.org

विवेकानन्द प्रतिमा का माल्यार्पण

स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा का संस्था निदेशक डॉ. टी.पी. शर्मा ने महाविद्यालय प्रांगण में तिलक व माला पहना कर स्वागत किया। प्रतिमा की स्थापना सुखाड़िया विश्व विद्यालय में की जाएगी। स्थापना से पूर्व रैली निकाल कर विभिन्न चौराहों पर स्वागत किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर में मुख्य वक्ता डॉ. महेन्द्र श्रीमाली ने स्वयं सेवकों को रक्तदान का महत्त्व एवं जीवन में इसकी उपयोगिता बताई। शिविर में स्वयंसेवकों ने श्रमदान किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के एक अन्य शिविर में स्वयं सेवक कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सरस्वती जोशी एवं डॉ. समीर व्यास के निर्देशन में भीलों का बेदला स्थित प्रकृति साधना केन्द्र गए वहां डॉ. आर.एल. श्रीमाल ने उन्हें प्रकृति से जुड़ी जानकारियां दी। स्वयंसेवकों ने श्रमदान एवं वृक्षारोपण का कार्य भी किया। गतिविधियों से सम्बद्ध सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता हुई।

इग्नू इन्डक्शन

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के इण्डक्शन कार्यक्रम में 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों की समस्या का निवारण तथा दूरस्थ शिक्षा की उपयोगिता व जानकारी सहायक क्षैत्रीय निदेशक डॉ. अजयवर्द्धन आचार्य और इग्नू कॉर्डिनेटर लक्ष्मणसिंह राजपूत, डॉ. सबा खान, डॉ. सुषमा तलेसरा ने दी। उन्होंने आश्वस्त किया कि उन्हें भविष्य में कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी।

वार्षिक उत्सव – मल्हार

महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव (मल्हार-2016) मनाया गया। प्रथम दिन रंगोली, मेहंदी व चित्रकला प्रतियोगिता में 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। रंगोली में मयंक सोनी, मेहंदी में भावना सुथार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन विद्या भवन सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष रियाज़ तहसीन ने किया। मुख्य अतिथि प्रो. पी.आर. व्यास व प्रो. महीप भटनागर थे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में एकल नृत्य, एकल गीत, सामूहिक नृत्य व सामूहिक गीत, विचित्र वेशभूषा का आयोजन हुआ। एकल गान में अर्पित वैष्णव, एकल नृत्य में मदन मीणा तथा विचित्र वेशभूषा में हर्षद तेली प्रथम रहे।

समापन समारोह की अध्यक्षता रियाज़ तहसीन ने की। मुख्य अतिथि प्रो. मीना गौड़ व डॉ. आनन्द सिंह जोधा थे। मिस्टर व मिस वी. बी.आर.आई. का खिताब अर्पित वैष्णव व भूमिका पालीवाल ने जीता।

गणतंत्र दिवस पर पुरस्कार वितरण

गणतंत्र दिवस मनाया

विद्या भवन के सभी संस्थान सदस्यों के द्वारा महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस मनाया गया। विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता द्वारा ध्वजारोहण किया। सभी संस्थानों के विद्यार्थियों जिन्होनें शिक्षा क्षेत्र व खेल मे उत्कृष्ट प्रदर्शन किया उन्हें सम्मानित किया गया। संस्थान निदेशक डॉ. टी.पी. शर्मा ने स्वागत किया तथा डॉ. अनिल मेहता ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पुस्तक का विमोचन

रसायन शास्त्र विभाग के व्याख्याता डॉ. नासिर हुसैन तथा डॉ. सबा खान की पुस्तक "रिएक्शन एंड रिजेण्ट्स" का विमोचन किया गया। पुस्तक एम. एससी. के विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम से संबंधित है।

विद्यार्थियों ने लिया औद्योगिक प्रशिक्षण

महाविद्यालय के बी.बी.एम. के विद्यार्थी 45 दिवसीय औद्योगिक प्रशिक्षण के लिए मिराज, सेवा मंदिर तथा चार्टेड एकाउंटेंट के यहां प्रशिक्षण के लिए जा रहे हैं। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को विभिन्न औद्योगिक इकाइयों में कार्य का अनुभव तथा उनमें आने वाली समस्याओं से अवगत कराना है।

अंजू को पोस्टर प्रेजेन्टेशन पुरस्कार

स्वामी विवेकानन्द राजकीय महाविद्यालय, नीमच में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में महाविद्यालय की व्याख्याता डॉ. अंजु जैन को बेस्ट पोस्टर प्रेजेन्टेशन का पुरस्कार मिला। डॉ. अंजु जैन ने 'स्टडी ऑफ ऑक्सीडेशन ऑफ 1 फिनल एलानायन बाय पीबीसी इन एक्वा एसीडिक मीडियम' विषय पर पोस्टर प्रेजेंट/प्रस्तुत किया।

सपने और लक्ष्य में अंतर सीखें विद्यार्थी

जीवन में आगे बढ़ने के लिए कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है और मेहनत तभी सार्थक होती है जब मेहनत को सही दिशा में लगाया जाए। विद्यार्थी जीवन में इसके लिए लक्ष्य निर्धारित करना आवश्यक है। लेकिन सभी को अपने सपने और लक्ष्य में अंतर करना आना चाहिए।

ये विचार डॉ. एम के जैन ने महाविद्यालय और यहां के पूर्व छात्र संगठन की ओर से आयोजित 'करियर क्राफ्ट' विषयक व्याख्यानमाला में व्यक्त किए। डॉ. जैन ने बताया कि हर व्यक्ति असामान्य होते हुए भी खुद को सामान्य समझता है। अतः खुद की क्षमता, कार्यकुशलता को पहचानने की आवश्यकता है।

प्रारंभ में महाविद्यालय के पूर्णसिंह ने उच्च शिक्षा में कार्यरत महाविद्यालय के योगदान को बताया। डॉ. मनोज राजगुरू ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर 400 विद्यार्थी उपस्थित थे।

रिपोर्टर : डॉ. सुषमा जैन

विद्या भवन पॉलिटेक्निक कॉलेज

www.vbpolytechnic.org

संवाद कौशल में कमजोरी खतरा

देश के 80 प्रतिशत इंजीनियरिंग विद्यार्थी रोजगार-स्वरोजगार के योग्य नहीं हैं। इसके मूल में विज्ञान एवं गणित विषयों में कमजोरी है। विद्यार्थियों की प्राथमिक व माध्यमिक स्तर पर नींव कमजोर है, वहीं कई तकनीकी संस्थान बिना उचित शिक्षण प्रशिक्षण के डिग्रियां-डिप्लोमा बांट रहे हैं। यह चिन्ता विद्या भवन पॉलिटेक्निक में आयोजित परिचर्चा में विशेषज्ञों ने व्यक्त की। विशेषज्ञों ने कहा कि विज्ञान, गणित में प्रभावी शिक्षण के लिए उद्योग जगत को भी आवश्यक पहल कर सहयोग देना चाहिये।

परिचर्चा में इन्डियन रबर इन्स्टीट्यूट के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं हेसेट्री, जे. के. टायर के मुख्य निदेशक डॉ. आर. मुख्योपाध्याय एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. समर बन्दोपाध्याय ने कहा कि विज्ञान एवं गणित की मूलभूत समझ केवल इंजीनियरिंग ही नहीं वरन् जीवन के हर व्यवसाय के लिए आवश्यक है।

कॉन्फ्रेंस में सहभागिता

पॉलिमर साइंस एवं रबर टेक्नोलॉजी विभाग के विद्यार्थियों ने इण्डियन रबर कॉन्फ्रेंस एवं इण्डियन रबर इंस्टीट्यूट द्वारा चैन्नई में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कॉफ्रेंस 'रबकॉन 2015' में हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने अन्तर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों से पॉलिमर, रबर एवं रबर एडिटिव की उत्पाद प्रक्रिया को जाना।

ऑटोमेशन पर कार्यशाला

महाविद्यालय में सीएडी सीएएम एक्सपर्ट आकांक्षा शर्मा द्वारा पी.एल.सी., स्काडा एवं एम्बेडेड टेक्नोलॉजीज पर इलेक्ट्रोनिक्स विभाग के 40 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया। इस दौरान विद्यार्थियों को नवीन टेक्नोलॉजी एवं औद्योगिक उपयोग की जानकारी दी गई।

"आओ खेलें" कार्यक्रम

पॉलिटेक्निक में दो दिवसीय खेलकूद

सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता दौड़ प्रारम्भ करवाते हुए

प्रतियोगिताएं "आओ खेलें" आयोजित की गई। इन दो दिवस में जेवेलिन थ्रो, शॉट पुट, छात्राओं की 100 मीटर दौड़, रिले रेस का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 280 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

महिलाओं ने जानी तकनीकी

ग्रामीण महिलाओं को रोजमर्रा के जीवन में अत्यधिक श्रम एवं अस्वस्थकारी परिस्थितियों में कार्य करना पड़ता है। गांवों में ही निर्मित हो सकने वाले कतिपय तकनीकी साधनों व उपकरणों द्वारा उनके जीवन को आसान बनाया जा सकता है। 35 आंगनवाड़ी सहायिकाओं ने गांवों में पहुंचाने के लिए ऐसी तकनीकों के संबंध में आवश्यक जानकारी प्राप्त की। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विद्या भवन पॉलिटेक्निक में संचालित कम्युनिटी डवलपमेन्ट थ्रू पॉलिटेक्निक स्कीम द्वारा महिलाओं को उन्नत चूल्हा, मूंगफली छीलक यंत्र, बॉल बियरिंग युक्त हाथ चक्की, बाटी कुकर, उन्नत सिगड़ी, सोलर उपकरण आदि तकनीकों से अवगत कराया। शिविर में महिलाओं को कम लागत में कपड़े धोने व बर्तन साफ करने का पाउडर, तरल साबुन बनाने का भी प्रशिक्षण दिया गया।

'केरियर काउंसलिंग' सेमिनार

इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रोनिक्स विभाग के विद्यार्थियों ने गीतांजलि इन्स्टीट्यूशन ऑफ टेक्निकल स्टडीज द्वारा आयोजित 'केरियर काउंसलिंग' सेमिनार में भाग लिया एवं उच्च शिक्षा के विभिन्न आयामों की जानकारी प्राप्त की।

'टेक्नोबीट्स' की धूम

अमरीका के प्रसिद्ध आई.टी. उद्यमी, अप्रवासी भारतीय रवि कोका ने महाविद्यालय के वार्षिक समारोह में कहा कि इनफोर्मेशन टेक्नोलॉजी ने सूचनाओं, जानकारियों, ज्ञान, बाजार, व्यवसाय सभी का लोकतांत्रिकरण कर दिया है। इससे युवा वर्ग के लिये गैर पारंपरिक व्यवसायों, नौकरियों में अवसरों की अपार संभावनाएँ पैदा हुई है।

कोका ने कहा कि यह पीढ़ी सूचना एवं संचार तकनीकी के उपयोग से हर व्यक्ति के जीवन स्तर में सुधार ला सकती है। कार्यक्रम में ट्रेजर हन्ट, क्विज़, हेयर स्टाइल, नेल आर्ट, एकल नृत्य, एकल गान प्रतियागिताएं भी हुईं।

स्किल डवलपमेन्ट प्रशिक्षण

कम्युनिटी डवलपमेंट थ्रू पॉलिटेक्निक स्कीम के तहत डाटा एन्ट्री ऑपरेटर, हाउस वायरिंग, मोटर वाइंडिंग एवं घरेलू विद्युत उपकरणों की मरम्मत, ए.सी. एवं रेफ्रिजरेशन रिपेयरिंग एवं ब्यूटी कल्चर के छह माही के स्किल डवलपमेन्ट के पाठ्यक्रम प्रारंभ हुए। इसमें 152 युवक-युवतियां प्रशिक्षण ले रहे हैं।

रिपोर्टर : सोनू हिरावत

विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र

www.vbpsk.org

ग्रामीणों में पर्यावरण जागरूकता

विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र पर भीलों का बेदला गांव के निवासियों के लिए एक दिवसीय पर्यावरण जागरूकता कार्यशाला हुई। कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य जंगलों में हरे-भरे पेड़ों की कटाई से हो रहे प्रभाव पर मंथन करना था। विषय विशेषज्ञ वन अधिकारी डॉ. सतीश शर्मा ने बताया कि एक छोटा जानवर भी हम सभी के लिए उपयोगी होता है। चूहों के संबंध में बताया कि ये जमीन में बिल बनाते हैं जिससे वर्षा का पानी इन बिलों से होता हुआ जमीन में जाता है तथा जल स्तर को बढ़ाता है।

सेवा मंदिर के आनन्द ने कम लकड़ी से अधिक ऊर्जा वाले चूल्हे की कार्य प्रणाली तथा विद्या भवन पॉलिटेक्निक के नितिन व सुधीर कुमावत ने कम राशि से निर्मित सीमेण्ट के चूल्हे का प्रदर्शन किया। इस मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने चूल्हे निर्माण के लिए पंजीकरण भी करवाया। कृषि विज्ञान केन्द्र के डॉ. आनंद सिंह जोधा ने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र पेड़-पौधों का अस्पताल है जहां सभी प्रकार की कृषि संबंधी निःशुल्क जांच एवं प्रशिक्षण दिया जाता है। पक्षी प्रेमी विनय दवे ने कहा कि पक्षियों का आशियाना ही जंगल है इसलिये इन्हें सुरक्षित रखना हम सब का दायित्व है। विशिष्ट अतिथि भीलों का बेदला के पूर्व प्रधान भगवान ने कहा कि विद्या भवन द्वारा इस प्रकार की कार्यशाला समय-समय पर आयोजित होनी चाहिए। कार्यक्रम के अध्यक्ष एच.आर. भाटी ने कहा की ग्रामीण ही वनों के असली मालिक हैं तथा परस्पर भागीदारी से वनस्पति एवं जीव-जंतुओं को सुरक्षा प्रदान की जा सकती है।

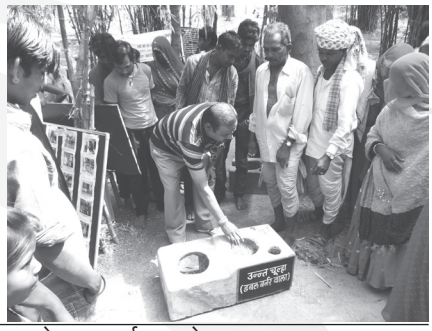

उन्नत चूल्हे पर कार्यशाला तथा चूल्हे का प्रदर्शन करते हुए

ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य

ग्रामीण विकास एवं आजीविका संवर्द्धन हेतु कार्यरत गैर सरकारी संस्था सृजन (सेल्फ रिलांयस इनीशियेटिव्स थ्रु ज्वाईन्ट एक्शन) का तीन दिवसीय रिट्रीट एवं विचार विमर्श कार्यशाला प्रकृति साधना केन्द्र पर हुई। कार्यशाला में संस्था के विभिन्न कार्यक्षेत्रों से आए सदस्यों ने अनुभव सुनाए एवं समस्याओं को साझा किया एवं भविष्य के लिये नीतियों का निर्धारण किया। मुख्य अतिथि विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय मेहता ने कहा कि गैर सरकारी संस्था ग्रामीणों के लिये रचनात्मक कार्य करना तथा ग्रामीणों के उत्थान के लिये सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलने से सम्बधित कार्य से जोड़ना है।

कार्यशाला में 85 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें 20 महिलाएं शामिल थीं। ये प्रतिभागी राजस्थान, मध्यप्रदेश, बिहार, कर्नाटक तथा दिल्ली से थे।

रिपोर्टर : डॉ. रमणीक लाल श्रीमाल

विद्या भवन आँगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्र

www.vbawtc.org

याद आया बचपन

संस्थान में मकर संक्रांति पर्व उल्लासपूर्वक मनाया गया। इस मौके पर बच्चों सा बचपना, शरारतें, झगड़ना, आगे बढ़ने की होड़ और बचपन याद आ गया। जालोर जिले की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने आनंदित होकर विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक आयोजन में भाग लिया।

पौष्टिक आहार एवं साफ सफाई की आदतों द्वारा बीमारियों का निवारण

खाने से पहले हाथ धोने से कई बीमारियों से बचा जा सकता है। यह छोटी सी आदत हमें कई बीमारियों से बचा सकती है।

यह जानकारी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्र पर खाद्य एवं पोषाहार विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम में दी गई। इस मौके पर कार्यकर्त्ताओं ने पौष्टिक उपमा, कद्दू की बर्फी आदि व्यंजन बनाना सीखा।

कार्यक्रम में महिला सशक्तीकरण पर विशेष जोर दिया। बड़गांव परियोजना अधिकारी प्रचेता साथिन सहित 100 कार्यकर्त्ताओं ने प्रशिक्षण केन्द्र पर आयोजित प्रश्नोत्तरी में भाग लिया।

प्रेम और सहानुभूति का कर्म क्षेत्र-आशाधाम

लोगों का विश्वास है कि कभी तो हम स्वस्थ होकर घर जाएंगे, हमारा परिवार हमें लेने आएगा, हमें कोई लावारिस नहीं मानेगा। ऐसी ही कर्मभूमि आशाधाम पर संस्था परिवार ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। इस मौके पर एक स्वयं सेवी संस्थान ने विभिन्न प्रतियोगिताओं को आयोजित कर आशाधाम निवासियों को संबल दिया, हौसला बढ़ाया, उनका मनोरंजन किया। जज पंकज भण्डारी ने संभागियों को पुरस्कृत किया।

आशाधाम निवासियों के साथ मनोरंजन

रिपोर्टर : नरेश राव

विद्या भवन गोविन्दराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय

www.vbgstc.org

विद्यार्थी समझे अच्छी शिक्षा का अर्थ

बी.एड. और एम.एड. के छात्रध्यापकों द्वारा बनाई गई सहायक शिक्षण सामग्री वास्तव में बहुत ही अच्छी है। यह बहुत ही मेहनत और समझ के साथ बनाई गई है। विद्यालयों में बच्चों को पढ़ाने के दौरान इनका इस्तेमाल करेंगे तो सच में उनकी पढ़ाई में बहुत फायदा होगा।

यह बात विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय सिंह मेहता ने महाविद्यालय में बी.एड. और एम.एड. के छात्राध्यापकों द्वारा बनाई गई सहायक शिक्षण सामग्री की प्रदर्शनी के उद्घाटन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि शिक्षण सहायक सामग्री को बनाना और उसे विद्यालय में ले जाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि विद्यालय में बच्चों के साथ कैसे उसका उपयोग करना है, यह भी जरूरी है। इससे कक्षा में गुणवत्ता आएगी और बच्चों को पढ़ने में मजा भी आएगा।

सहायक शिक्षण सामग्री प्रदर्शनी का अवलोकन करते अजय मेहता

नए वर्ष के कार्यों की रूपरेखा

नव वर्ष की प्रथम बैठक प्रो. दिव्यप्रभा नागर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में प्रो. एम. पी. शर्मा, प्रो. सुषमा तलेसरा सहित समस्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक सदस्य उपस्थित हुए। बैठक में विद्यार्थियों से भरवाए गए पृष्ठपोषण प्रपत्रों की समीक्षा की गई। संकाय सदस्यों द्वारा आगामी सत्र के दौरान पढ़ाये जाने वाले अनिवार्य एवं वैकल्पिक विषयों से सम्बन्धित वार्षिक योजना प्रस्तुत करने को कहा गया। यह भी निर्णय लिया गया कि परिषद्-प्रभारी परिषदानुसार निर्धारित स्थान पर विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सूचनाएं (सफाई आधारित, मौन क्षेत्र, मोबाईल निषेधक क्षेत्र) आदि प्रेषित करने वाले सूचक बोर्ड लगवाएं जाएंगे।

बी.एड. पाठ्यक्रम की वार्षिक योजना

सैद्धांतिक कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. अरविन्द आशिया ने बी.एड. पाठ्यक्रम की वार्षिक योजना प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि परिषद एवं प्रबोधन समूह निर्माण के उद्देश्य निर्धारित किए गए है। शिक्षण-अभ्यास कार्यक्रम प्रारंभ करने से पूर्व पाठ-योजना निर्माण का प्रारूप तैयार कर लिया गया है, जिसे विद्यार्थी केन्द्रित बनाने का प्रयास किया गया है। इस कार्यक्रम के दोनों चरणों को लगातार करवाने का निर्णय सर्वसम्मति से माना गया। साथ ही समरूपित शिक्षण की तिथि जनवरी में सुनिश्चित की गई।

लेब एरिया स्कूल में दे सेवाएं

महाविद्यालय में आयोजित बैठक में संकाय सदस्यों ने अपने विषय-शिक्षण की वार्षिक योजना प्रस्तुत की। संकाय सदस्यों ने प्रत्येक इकाई हेतु प्रयुक्त शिक्षण विधियों को भी प्रस्तुत किया तथा सत्रीय कार्य के संदर्भ में भी चर्चा हुई। सेवा प्रसार विभाग द्वारा लेब एरिया से सम्बन्धित किये जाने वाले कार्यों के संदर्भ में यह निर्णय लिए गए कि निर्दिष्ट लेब एरिया में प्रत्येक प्राध्यापक अपनी विषय विशेषज्ञता के आधार पर सेवाएं प्रदान करें। इस हेतु महविद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भी सम्मिलित किया जाए। महाविद्यालय की वेबसाइट निर्माण पर चर्चा करते हुए उसे अंतिम रूप दिया गया।

संस्था प्रधानों से हो संवाद

शिक्षण-अभ्यास कार्यक्रम प्रभारी ने प्रथम चरण 'विद्यालय-अवलोकन' के अभिविन्यास कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस संबंध में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. दिव्य प्रभा नागर ने कहा कि शिक्षण-अभ्यास विद्यालय के संस्था-प्रधानों के साथ बैठक आयोजित की जाए ताकि उनसे संवाद स्थापित हो सके। साथ ही विद्यार्थियों के समूह को एक से अधिक विद्यालयों में भेजा जाए, ताकि उन्हें अलग-अलग विद्यालयों के अवलोकन का अनुभव प्राप्त हो सकें।

सीखे शिक्षण में तकनीकी का प्रयोग

शिक्षण-अधिगम सामग्री के प्रयोग के संदर्भ में वैकल्पिक विषयों की कक्षाओं में चर्चा की जाए साथ ही ऐसे प्रयास किए जाए जिसमें विद्यार्थी अपने शिक्षण में तकनीकी का प्रयोग करना भी सीखें। यह बात महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. दिव्य प्रभा नागर ने शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम की तैयारी बैठक में कही। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दोनों चरणों के मध्य समीक्षा बैठक रखी जाए जिसमें विद्यार्थियों द्वारा किये गए शिक्षण कार्य पर विचार-विमर्श, मूल्यांकन एवं प्रतिपुष्टि प्राप्त कर आगामी व्यूह-रचना बनाई जा सके।

विद्यार्थियों के लिए बने शोध कक्ष

पुस्तकालय प्रभारी नरेन्द्र प्रजापत ने बताया कि नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकें क्रय करने की आवश्यकता है तथा पॉलिसी दस्तावेज रखने हेतु अलग विभाग बनाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि एम. एड. विद्यार्थियों के लिए शोध कक्ष बनें।

रिपोर्टर : संतोष उपाध्याय

मानव संसाधन एवं विधि विभाग

साझा प्रयास से होंगे प्रवेश

विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता ने कहा कि विद्या भवन में ज्यादा से ज्यादा प्रवेश सुनिश्चित करना हमारा सभी का साझा प्रयास होना चाहिए। अभी हमारे स्कूलों में अध्यापक-छात्र अनुपात 1:14 है इसे बढ़ा कर 1:25 करना होगा। इसी से अपना, बच्चों का और विद्या भवन का भविष्य सुनिश्चित होगा। यदि विद्यार्थियों की संख्या बढ़ती है तो अध्यापकों की तनख्वाह भी बढ़ा सकते हैं लेकिन यदि ऐसा नहीं हो पाता है तो हमें तनख्वाह और अध्यापकों की संख्या में कटौती के लिए भी तैयार रहना होगा।

वे विद्या भवन सोसायटी में आयोजित स्कूल कमेटी की बैठक में बोल रहे थे। बैठक में विद्या भवन के स्कूलों में प्रवेश की रणनीति, विद्यार्थियों की विविधता बढ़ाने और स्कूलों की मार्केटिंग करने संबंधी मुद्दों पर चर्चा की गई। प्रारंभ में पिछली बैठक के फीडबैक के बाद विद्या भवन स्कूल के ब्रॉशर का इस्तेमाल किस प्रकार किया जाए इस पर चर्चा की गई। विद्यालय के भाषा शिक्षकों के लिए आयोजित भाषा कार्यशाला का भी फिडबैक लिया गया। बैठक का मुख्य फोकस विद्याभवन के स्कूलों के लिए प्रवेश की रणनीति बनाना था। अध्यक्ष अजय मेहता ने बैठक में उपस्थित सदस्यों से राय जानना चाही कि हम विद्यालयों की फीस नहीं बढ़ाएंगे ऐसे में चुनौती है कि हम कैसे ज्यादा से ज्यादा बच्चों को विद्या भवन के स्कूलों में आकर्षित कर सकते हैं। इस संदर्भ में उपस्थित सदस्यों ने महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। विद्या भवन के स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रचार टीम का गठन किया गया। साथ ही विद्या भवन सोसायटी ऑफिस में एक एडमिशन सेंटर की भी स्थापना की गई।

विभिन्न कमेटियों की बैठक

विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय में विभिन्न कमेटियां गठित की गई हैं। इन कमेटियों की बैठक विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता की अध्यक्षता में हुई। इसमें प्रकृति साधना केन्द्र कमेटी, साधारण सभा, आवास आवंटन कमेटी, प्रशासनिक एवं विद्यार्थी कल्याण समिति, वाचनालय समित तथा विद्या भवन समान अवसर समिति की बैठकें शामिल हैं। इन बैठकों में विभिन्न निर्णय लिए गए।

संसाधनों का उचित उपयोग हो

विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता ने विद्या भवन की विभिन्न संस्थाओं में कार्यरत वाहन चालकों एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के साथ वार्ता की। इस मौके पर अध्यक्ष ने उन्हें आश्वस्त किया कि ऐसे सुझावों पर विचार किया जाएगा जिससे उपलब्ध संसाधनों का कम से कम लागत में उचित उपयोग हो सके। अध्यक्ष अजय मेहता ने कर्मचारियों के साथ विद्या भवन की संस्कृति एवं उद्देश्यों पर भी चर्चा की। उन्होंने उनसे अनुरोध किया कि वे अपने कार्य क्षेत्र में किस प्रकार कार्यप्रणाली में सुधार ला सकते हैं।

नवंबर में होगी खेलकूद प्रतियोगिता

विद्या भवन सोसायटी के व्यवस्था सचिव एस.पी.गौड़, की अध्यक्षता में खेलकूद समिति की बैठक हुई। विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय के यूजीसी हॉल में आयोजित बैठक में सर्व सम्मलित से यह निर्णय लिया गया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन अब नवंबर में किया जाएगा। पूर्व में यह प्रतियोगिता अप्रैल में आयोजित होने वाली थी। यह निर्णय समिति की बैठक में सदस्यों द्वारा अति आवश्यक शैक्षणिक गतिविधियों के कारण प्रस्ताव रखा था। यह प्रस्ताव सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया। इन प्रतियोगिताओं पर विस्तृत चर्चा के लिए को अग्रिम बैठक जुलाई में बुलाई गई है।

रिपोर्टर : ज़ाहिद मोहम्मद

विद्या भवन सोसायटी के मानव संसाधन एवं विधि विभाग में जनवरी 2016 से मार्च 2016 की अवधि में निम्नलिखित 10 कर्मचारियों को विद्या भवन की विभिन्न संस्थाओं में नियुक्ति दी गई। इन कर्मचारियों की नियुक्ति विद्या भवन पॉलिटेक्निक कॉलेज, विद्या भवन शिक्षक महाविद्यालय, विद्या भवन पब्लिक स्कूल में की गई। नियुक्त कर्मचारियों में 8 नियमित तथा 2 को संविदा पदों पर नियुक्ति दी गई है।

क्र.सं.	नाम कर्मचारी	पद	नियमित	संविदा	संस्था का नाम
1.	ओम प्रकाश कुमावत	कार्यालय सहायक	-	संविदा	विद्या भवन पॉलिटेक्निक कॉलेज
2.	डॉ. फरजाना	व्याख्याता सीटीई	नियमित	-	विद्या भवन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
3.	रूचि शर्मा	अध्यापिका	नियमित	-	विद्या भवन पब्लिक स्कूल
4.	सुरभि भटनागर	अध्यापिका	नियमित	-	विद्या भवन पब्लिक स्कूल
5.	रेबिका लूथर सिंह	अध्यापिका	नियमित	-	विद्या भवन पब्लिक स्कूल
6.	मनीष आदिवाल	संगीत	नियमित	-	विद्या भवन पब्लिक स्कूल
7.	चिराग धुपिया	कम्प्यूटर व्याख्याता सीटीई	नियमित	-	विद्या भवन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
8.	डॉ. जयदेव पानेरी	व्याख्याता सीटीई	नियमित	-	विद्या भवन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
9.	गिरीश शर्मा	व्याख्याता सीटीई	नियमित	-	विद्या भवन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
10.	मोहम्मद आबिद	अध्यापक	-	संविदा	विद्या भवन पब्लिक स्कूल

विद्या भवन गांधी शिक्षा अध्ययन संस्थान

www.vbgies.org

वाद-विवाद में मुकेश व प्रतीक्षा अव्वल

अरावली शिक्षक महाविद्यालय में वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई। "शैक्षिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर सवाल उचित या अनुचित" विषयक प्रतियोगिता में महाविद्यालय के मुकेश सिंह राठौड़ व प्रतीक्षा जैन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उन्होंने पुरुस्कार स्वरूप 300/रुपये प्राप्त किए। इस मौके पर एकल नृत्य प्रतियोगिता भी हुई जिसमें नेहा श्रेष्ठ व दिव्या अहाड़ा ने महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

पोस्टर में नेहा ने बाजी मारी

ऐश्वर्या शिक्षक महाविद्यालय में आयोजित अन्तर्महाविद्यालयी निबन्ध, पोस्टर व वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई। निबन्ध में दिव्या अहाड़ा, बेना डामोर ने प्रतिनिधित्व किया। पोस्टर प्रतियोगिता में नेहा श्रेष्ठ ने प्रथम स्थान प्राप्त कर चल-वैजयन्ती प्राप्त की। पोस्टर का विषय 'मानवता बचाओ' था। मातेश्वरी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में वाद-विवाद प्रतियोगिता रखी गई जिसमें जया देवड़ा ने पक्ष तथा राजु राव ने विपक्ष में अपने विचार रखें। विषय-"वर्तमान शिक्षा प्रणाली विद्यार्थियों में तनाव व भटकाव की जननी है।"

महाविद्यालयी प्रतियोगिताएं

महाविद्यालय में आयोजित आशुभाषण प्रतियोगिता में प्रथम निकिता पालीवाल द्वितीय जया कुंवर तथा तृतीय स्थान पर मुकेश सिंह राठौड़ तथा ऋतु रानी पुरोहित रही। इसी प्रकार, एकल गीत में मीता भट्ट प्रथम रही। संयोजन सुषमा इन्टोदिया एवं ममता श्रीमाली ने किया।

विद्यार्थी हुये सम्मानित

महाविद्यालय की दिव्या अहाड़ा को बी.ए. चित्रकला विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर केन्द्रीय अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री नजमा हेपतुल्ला द्वारा वनस्थली विद्यापीठ, टोंक में आयोजित दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक दिया गया। निकिता पालीवाल को राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय में एम.ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत में महाविद्यालय स्तर एवं विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर भाजपा के जिलाध्यक्ष कमलेश जी भट्ट द्वारा पुरस्कार दिया गया। प्रतीक्षा जैन को कला संकाय में सर्वाधिक अंक प्राप्त मीता भट्ट को सिद्धि महाविद्यालय सागवाड़ा में बी.कॉम में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए जाने पर डूंगरपुर के सांसद ताराचन्द भगोरा द्वारा पुरस्कृत किया गया ।

झालमसिंह व कौशल्या सर्वश्रेष्ठ

महाविद्यालय की वार्षिक खेल स्पर्धाओं में 100 मी., 200मी., 400 मी. व 4×100 मीटर रिले रेस, तस्तरी फेंक, गोला फेंक, व सुई धागा दौड़ हुई। मुख्य अतिथि विद्या भवन उच्च माध्यमिक विद्यालय, रामगिरि के प्राचार्य ई एच. काजी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और कहा कि खेलों से शरीर पुष्ट होता है व मानसिक क्रियाओं को सुचारु रूप से सम्पन्न करने में सहायता प्राप्त होती है। झालमसिंह व कौशल्या गिरि गोस्वामी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए। लादूराम व जया कुंवर देवड़ा प्रथम, पल्लव जोशी द्वितीय और आशा गोस्वामी तृतीय स्थान पर रही।

शांति शिक्षा पर राष्ट्रीय कार्यशाला

विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता ने भावी शिक्षकों के समक्ष प्रश्न रखा कि गांधी के सिद्धान्तों को वर्तमान संदर्भों में किस प्रकार पुनर्परिभाषित कर व्यवहार में प्रयोग किया जा सकता है? वे महाविद्यालय में 'गांधी मूल्य आधारित शांति शिक्षा' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में विद्या भवन सहित विभिन्न संस्थाओं से 111 प्रतिभागियों ने भाग लिया। संदर्भ व्यक्ति गांधी शांति प्रतिष्ठान चेन्नई के सचिव एस. कुलदाईसामी थे। इस मौके पर कुलदाईसामी द्वारा लिखित 51 कहानियों का माड्यूल प्रस्तुत किया, जिनका प्रकाशन अंग्रेजी समाचार पत्र "द हिन्दू यंग वर्ल्ड" में किया गया है। कार्यशाला में संभागियों ने लघुनाटिकाओं व शांतिस्थापना में सहायक सूक्ष्म कार्ययोजनाओं पर चर्चा की। संकाय सदस्यों व विद्यार्थियों ने मोहन सिंह मेहता, के एल. श्रीमाली, के. एल. बोर्दिया, दीनदयाल दशोत्तर व दयालचन्द्र सोनी के विद्याभवन व शिक्षा में उनके योगदान को बताया। रियाज़ तहसीन व चन्द्रा भंडारी ने विद्याभवन में गांधी मूल्यों के व्याहारिक प्रयोगों के अनुभवों का जिक्र किया।

रचनात्मक कार्य करते विद्यार्थी

सांसद ने दिया नकद पुरस्कार

विद्यार्थियों ने बड़गांव, थूर, कविता, लोयरा और चिकलवास माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापन अभ्यास किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने 26 जनवरी व बंसत पंचमी समारोहों का आयोजन भी किया। चिकलवास में राष्ट्रीय कृमि दिवस के जिला स्तरीय समारोह में अध्यापन अभ्यास के दौरान सांसद अर्जुनलाल मीणा द्वारा स्वास्थ्य संबधी प्रश्न पूछने पर सही जवाब देने पर महाविद्यालय की जया देवड़ा व दिनेश धायन को नकद पुरस्कार दिया गया। लोयरा विद्यालय में लादूराम, भावना सेन व निकिता पालीवाल ने 11वीं के विद्यार्थियों को विद्यालय परिसर का सर्वे खुली व बंद माला रेखा विधि से सिखाया। महाविद्यालय विद्यार्थियों ने माण्डना निर्माण, क्विलिंग आर्ट, पेपर व मिट्टी के खिलौने बनाना सीखाया। थूर में शहीद दिवस पर गांधी प्रार्थना सभा में भजन, प्रेरक प्रंसग व विचार प्रस्तुत किए।

पाठ्यचर्या अभिविन्यास कार्यशाला

महाविद्यालय के तारा कुमावत, सुषमा इंटोदिया, ममता श्रीमाली, अरुणा माथुर, सरिता जैन व कुमुद पुरोहित ने सुखाड़िया विश्वविद्यालय के दो वर्षीय बी.एड. अभिविन्यास कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला में महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ. सरिता जैन ने मानक हिन्दी के स्वरूप को स्पष्ट रूप से लिखकर बोलियों के समावेश का सुझाव दिया।

रिपोर्टर : कुमुद पुरोहित

विद्या भवन कला संस्थान बी.एस.टी.सी.

विद्यालय अनुभव कार्यक्रम

बी.एस.टी.सी. के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी शिक्षकों के लिए पाठ्यक्रम में सम्मिलित 40 दिवसीय विद्यालय अनुभव कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस हेतु 5 राजकीय एवं एक निजी विद्यालय लिया गया। विद्यार्थियों को 6 समूहों में विभक्त किया गया।

विद्यालय अनुभव कार्यक्रम में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने कुल 59 व द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने 61 पाठयोजनाएं प्रस्तुत की। दैनिक कक्षा अवलोकन, मननशील रिपोर्ट, खेल एवं गतिविधि प्रपत्र आदि पर भी कार्य किया तथा योग की विषय वस्तु पर पाठ-योजना बनाकर छात्रों को योग संबंधी जानकारी दी।

बच्चों को योग का अभ्यास कराती छात्राध्यापिका

कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने शैक्षिक कार्य, सहशैक्षिक गतिविधियां, सर्वेक्षण, केस स्टडी, प्रोजेक्ट, क्रियात्मक अनुसंधान, बाल सभा, प्रार्थना सभा एवं मिड-डे मील कार्यक्रमों को संपादित किया। इस दौरान मकर संक्रांति, बसन्त पंचमी एवं गणतंत्र दिवस को आयोजित करवाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। राजकीय विद्यालयों की आवश्यकतानुसार सभी विषयों के शिक्षण हेतु सहायक सामग्री का निर्माण किया गया।

प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार केस स्टडी हेतु एवं क्रियात्मक अनुसंधान कार्य हेतु क्रमशः विद्यार्थी का चयन एवं समस्या का चयन प्रथम परिचय के दौरान ही कर लिया गया ताकि संबंधित विद्यार्थी शिक्षक उस विषय पर सूक्ष्मता व गहनता से कार्य कर सके। इस कार्य हेतु विद्यालय स्टाफ, विद्यार्थी परिवार व अभिभावक परिषद के सदस्यों का भी सहयोग लिया गया एवं किये गये कार्य से सम्बन्धित विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं स्टाफ को परिचित भी कराया गया।

'गांधी मूल्य आधारित शांति शिक्षा'

विद्या भवन गांधीयन शिक्षक प्रशिक्षक महाविद्यालय रामगिरी में 'गांधी मूल्य आधारित शांति शिक्षा' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। उक्त कार्यशाला के दौरान तमिलनाडू गांधी शांति प्रतिष्ठान से एवं अहमदाबाद से आए विद्वजनों के सानिध्य में बहुत कुछ ज्ञानवर्द्धक सीखने का मौका मिला। सबसे महत्वपूर्ण बात समय की पाबन्दी, स्वानुशासन, सबसे पहले स्वयं पहल करने के माध्यम से परिवार व अपने आसपास शांति व्याप्त करने का तरीका सीखा। विभिन्न खेलों के माध्यम से, विभिन्न समूह गतिविधियों व कहानियों के नाटक के रूप में प्रदर्शन से समूह में कार्य करना, अपनी बात कहने का साहस करना व समाज सुधारक संदेश व कार्यों को सरलता से प्रस्तुत करना सीखा। कार्यशाला से बहुत कुछ सीखने को मिला जिसे आत्मसात करने की जरूरत है।

सैद्धान्तिक कक्षाएं

प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के 45 दिवसीय विद्यालय अनुभव कार्यक्रम के तुरन्त पश्चात् सैद्धान्तिक शिक्षण कार्य प्रारंभ हुआ। सभी संकाय व्याख्याताओं ने समय-सारणी के अनुसार सैद्धांतिक कक्षाएं लेकर विषय सम्बन्धी कठिनाइयों को दूर करने का प्रयास किया। प्रश्न-उत्तर लिखवाकर अभ्यास कार्य करवाया एवं व्याख्याताओं ने द्वितीय परख में आने वाले पाठ्यक्रम को नवाचार युक्त गतिविधियों का प्रयोग करते हुए पूरा करवाया।

सपोर्ट कक्षाएं

गणित विषय का आधारभूत ज्ञान करवाने व रुचिकर बनाने हेतु प्रथम व द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों के लिए सपोर्ट कक्षाओं का संचालन किया। इन कक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थी गणित की आधारभूत जानकारी, प्रकरणों के विषय में गहन समझ, पाठ्यक्रम की विषयवस्तु से सम्बन्धित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में आने वाले गणितीय तार्किक ज्ञान से अवगत हुए।

सत्रीय कार्य में नवाचारों की प्रस्तुति

बी.एस.टी.सी. पाठ्यक्रम के अन्तर्गत सत्रीय कार्यों का विशेष महत्व है। विषयाध्यापकों द्वारा सत्रपर्यन्त दिये जा रहे सत्रीय कार्यों में छात्राध्यापकों ने विषय से सम्बन्धित महत्वपूर्ण बिन्दुओं एवं नवाचारों को प्रस्तुत करने किया। सत्रीय कार्य के महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं एवं नवाचारों में स्क्रेप बुक, मॉडल, प्रारूप चार्ट प्रमुख थे। सत्रीय कार्य के प्रश्नों को व्यावहारिक जीवन से जोड़कर देने का प्रयास विषयाध्यापक निरंतर करते रहते है तथा इन प्रश्नों पर कक्षा में पहले चर्चा भी की जाती हैं। सत्रीय कार्यों का लिखित जांच द्वारा मूल्यांकन होता है।

कुम्भलगढ़ उत्सव 2016

पर्यटक विभाग द्वारा कुम्भलगढ़ दुर्ग पर कुंभलगढ़ उत्सव के अन्तर्गत आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में संस्थान के छात्राध्यापक भोमाराम चौधरी ने प्रथम स्थान एवं प्रवीण कुमार राजपुरोहित ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। ये दोनों ही द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापक हैं। प्रतियोगिता का विषय 'कुम्भलगढ़ का दृश्य' बनाना था। प्रतियोगिता के संयोजक संस्थान के व्याख्याता डॉ. मोहनलाल जाट एवं निर्णायक डॉ. विष्णु प्रकाश माली थे।

उत्सव जयंती

संस्थान में राजस्थान दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। डॉ. पूनम दवे के निर्देशन में विभिन्न छात्राध्यापकों ने ज्ञानवर्धक प्रस्तुतियां दी। वीररस से ओतप्रोत राजस्थान के इतिहास से सम्बन्धित कविताएं, कहानियां प्रेरक प्रसंग एवं गीत प्रस्तुत किए। नवीन ज्ञान से छात्राध्यापक लाभान्वित हुए।

रिपोर्टर : पूनम दवे

विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र

www.vbkvk.org

कृषि मेले का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र में "संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग से उच्च लाभ प्राप्त करना" पर आधारित जिला स्तरीय कृषि मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. ए.के. सिंह ने किया। मेले का मुख्य आकर्षण टेक्नोपार्क में उत्पादित फसलें एवं सब्जियों की विभिन्न प्रजातियों का प्रदर्शन, लो-अनल एवं वाकिंग टनल में सब्जियों का उत्पादन, छत पर सब्जी उत्पादन तकनीक, कृषि संबंधित विभागों की प्रदर्शनी, गमलों में सब्जी उत्पादन और किचन गार्डन जैसे प्रदर्शन थे। मेले में आयोजित प्रदर्शनी में महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, इफको, कृषि विभाग (राज्य सरकार), सेवा मंदिर, विद्या भवन पॉलिटेक्निक महाविद्यालय आदि के अतिरिक्त कई निजी व्यवसायों ने भी स्टॉल लगाए। कार्यक्रम में आयोजित फसल प्रतियोगिता में किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं विजेता कृषकों को पुरस्कृत किया गया।

कृषि मेले को संबोधित करते अतिथि

मेले में केन्द्र के संरक्षक डॉ.एस. एल.मेहता, विशिष्ट अतिथि डॉ. एस. के. सिंह (निदेशक अटारी), डॉ.जी.एस. तिवारी, डॉ. अनिला दोषी (अधिष्ठाता आर.सी.ए.) एवं डॉ. आई.जे. माथुर (पी. आई.एन.ए.आई.पी.) उपस्थित थे।

टी.एस.पी. के लिए परियोजना शुरू

केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर एवं केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में टी.एस.पी. क्षेत्र के लिए एक परियोजना का शुभारम्भ किया गया है। परियोजना का मुख्य उद्देश्य भेड़ व बकरी में नस्ल सुधार एवं आहार प्रबन्ध है। बकरी नस्ल सुधार के लिए 15 बीजू बकरे वितरीत किये गये। साथ ही 30 कृषकों के दल का बीकानेर केन्द्र पर शैक्षणिक भ्रमण एवं 26 बकरी पालकों के लिए केन्द्र पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आहार प्रबन्धन में 150 किलोग्राम मिनरल मिक्सचर, 100 पशु आहार बट्टिका के अतिरिक्त 50 पशु प्राथमिक चिकित्सा किट का वितरण भी किया गया।

दांतेदार दराती का प्रदर्शन करती कृषक महिलाएं

मृदा स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण

राजस्थान कृषि विभाग, उदयपुर के 39 अधिकारियों हेतु मृदा स्वास्थ्य पर दो एवं पशु बांझपन निवारण हेतु 14 प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से 139 पशु चिकित्सकों हेतु प्रशिक्षण हुए।

केन्द्र ने किये नए प्रदर्शन

कृषि विज्ञान केन्द्र ने ग्रामीण क्षेत्रों में पोषण सुरक्षा एवं कृषक महिलाओं में फसल कटाई के कार्य को आसान बनाने हेतु कुराबड़ क्षेत्र में क्रमशः 25 परिवारों के यहां गमलों में सब्जी उत्पादन एवं 50 महिलाओं के दांतेदार दराती वितरित की। गमलों में सब्जी उत्पादन के प्रदर्शन का लक्ष्य सब्जियों में खपत बढ़ाना है और साथ ही कम पानी की लागत में पारिवारिक खपत के लिए सब्जी उत्पादन कर आहार में सब्जियों की मात्र बढ़ाना है।

वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठक

वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठक विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में कृषि वैज्ञानिकों, कृषकों एवं महिला कृषकों ने भाग लिया। बैठक के दौरान उपस्थित सदस्यों द्वारा दिये गये सुझावों को केन्द्र की कार्ययोजना में सम्मिलित करते हुए कार्य करने का निर्णय लिया।

चना एवं सरसों के प्रक्षेत्र दिवस

केन्द्र द्वारा किसानों के खेतों पर लगाए गये प्रदर्शनों को ज्यादा कृषकों में प्रचारित करने के उद्देश्य से चना एवं सरसों पर प्रक्षेत्र दिवस (फील्ड-डे) आयोजित किये गये, जिसमें कुल 230 किसानों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम ग्राम रूदी (सरसों) एवं नवानिया (चना) में आयोजित हुए जिसमें आस-पास के गांवों के किसानों ने केन्द्र द्वारा प्रदर्शित उन्नत किस्मों का अवलोकन किया।

सिरोही नस्ल के बकरे वितरित

ग्रामीण क्षेत्रों में बकरी की नस्ल सुधार के लक्ष्य से सिरोही नस्ल के 6 बकरे केन्द्र द्वारा कुराबड़ के गांवों में वितरित किए गए। इस प्रदर्शन से लगभग 300 किसान लाभान्वित होंगे।

रिपोर्टर : रागिनी राणावत

विद्या भवन शिक्षा सन्दर्भ केन्द्र

www.vberc.org

छत्तीसगढ़ के लिए पाठ्यपुस्तक लेखन

एस.सी.ई.आर.टी., रायपुर, विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केंद्र व अज़ीम प्रेमजी फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में कक्षा-10 के लिए हिन्दी, अंग्रेजी, विज्ञान, गणित की पाठ्यपुस्तक का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए विषयवार 2 कार्यशालाएं आयोजित की गई साथ ही कक्षा-9 की विज्ञान और गणित की पाठ्यपुस्तकों के अंग्रेज़ीकरण का काम भी जारी है।

नर्सरी स्कूल इंटरवेंशन

केन्द्र द्वारा विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल के नर्सरी विभाग को सहयोग देने के क्रम में टीम द्वारा अध्यापक व बच्चों के अनुपात को ध्यान में रखते हुए एल.के.जी. एवं एच.के.जी. में 2-2 शिक्षकों की व्यवस्था की गई। इस व्यवस्था के तहत एक शिक्षक और एक टीम सदस्य कक्षा में लगाया गया ताकि कक्षा में मिलकर गतिविधियों को बेहतर ढंग से करवाया जा सके, सीखने-सिखाने की प्रक्रिया बेहतर हो और प्रत्येक बच्चे पर ध्यान दिया जा सके।

बारां स्टडी

केन्द्र और आई.आई.एम., उदयपुर के साथ मिलकर बारां जिले के सहरिया परिवारों के शोध कार्य के तहत जिले के छः ब्लॉक के सभी सहरिया परिवारों का सर्वे सम्पन्न हुआ। सर्वे की 'इंटरिम प्रोगेस रिपोर्ट' आई.आई.एम., उदयपुर, ए.डी. एम शाहबाद, सहरिया परियोजना, बारां कलेक्टर तथा सहरिया विकास समिति के साथ साझा की गई तथा रिपोर्ट के मुख्य बिन्दुओं का प्रस्तुतीकरण किया गया। फिलहाल समस्त आंकड़ों की कोडिंग और क्लीनिंग का काम जारी है जिसके आधार पर रिपोर्ट लिखी जाएगी।

आई.आई.एम. ड्यूक अध्ययन

ड्यूक अध्ययन के तहत सी.टी.ए.ई. कॉलेज के एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. से संबंधित 95 विद्यार्थियों से डाटा एकत्र किया गया। एस.सी., एस.टी. वर्ग के ऐसे नागरिक जो राजकीय सेवा में पदस्थ है के साथ जीवन के विभिन्न पड़ावों के दौरान सकारात्मक कार्यवाही द्वारा प्राप्त अवसरों एवं उनमें आने वाली समस्याओं को जानने तथा इससे उनके जीवन में आए बदलावों को समझने के लिए 25 साक्षात्कार किए गए। प्राप्त डाटा की इनपुटिंग का काम जारी है।

हजीरा प्रोजेक्ट

केन्द्र की हजीरा शाखा द्वारा दो दिवसीय प्लानिंग मिटिंग में अनुदेशकों की सीखने-सिखाने और अभिवृत्ति विकास के लिए चर्चाएं की गई। शाखा द्वारा मोरां प्राइमरी स्कूल के 13 शिक्षकों को मैट्रिक मिजर्स हेतु प्रशिक्षण दिया गया और तत्पश्चात् स्कूल में मेला आयोजित किया गया जिसमें 173 बच्चों ने भाग लिया। एच.एल.पी.एल. द्वारा स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के तहत अब तक हजीरा के 16 सरकारी स्कूलों में 4612 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और तद्नुसार डॉक्टरी सलाह दी गई। बच्चों

अनुभव

विद्यालय में पुस्तकालय

विद्यालय में बाल साहित्य एवं विषय से संबंधित सामग्री को लेकर अकादमिक स्तर पर आवश्यकता बताई गयी है परन्तु अधिकतर स्कूलों में पुस्तकालय नहीं के बराबर है। अभी हाल में हमने बहराइच, उत्तरप्रदेश में पुस्तकालय स्थापित करने के उद्देश्य से स्कूलों का जायजा लिया। हमने देखा कि शिक्षण अभी भी शिक्षक और विद्यार्थी के बीच इस प्रकार है : शिक्षक बच्चों की कॉपी या ब्लेकबोर्ड पर कुछ लिखता है फिर उसे लिखवाता है और सही-गलत जांचता है। पढ़ने को अक्षरों या शब्दों को बोल लेना, पहचान कर लेना भर समझा जाता है। ये प्रक्रियाएं इतनी नीरस व ऊबाऊ है कि हमने देखा कि बच्चे स्कूल आने से कतराते हैं।

किताबों का संसार बच्चों के पास लाकर हम शिक्षा की बहुत सारी उलझनों को सुलझा सकते हैं। बच्चे को बोरियत से बचा सकते हैं। शिक्षक को केवल सही गलत व पहचान करवाने वाले की भूमिका से अलग हटकर एक अर्थपूर्ण संवाद में शामिल करवा सकते हैं। भाषा जो स्कूलों में बासी व रटाऊ बन कर रह गई है इसे न सिर्फ रोका जा सकता हैं बल्कि किताबों के उपयोग से बच्चों को भाषा गढ़ने की क्षमता और मानस पर उभरने वाले भावों को व्यक्त करने की चाह भी बढ़ेगी। शिक्षक व छात्रों के संबंधों में भी बदलाव आयेगा और छात्रों का आत्म सम्मान भी बढ़ेगा। सरकारी स्कूलों ने भले ही कक्षाओं के लिए कमरे बन गए हैं परन्तु किताबों के लिए कमरे का अभाव है। खर्च तो कई मदों में होते हैं परन्तु किताबों व शिक्षण सामग्री पर खर्च नहीं होता है। इसकी जरूरत अब और ज्यादा है क्योंकि सरकारी स्कूल में जो बच्चे पढ़ते हैं उनको घर पर पढ़ने-लिखने का माहौल नहीं मिल पाता है। अगर हम शिक्षा को समाज में बराबरी लाने का औजार देखते हैं या गहराई व सुख पूर्वक जीवन-जीने का द्वार मानते हैं तो हमें इन सभी बातों पर अमल करना होगा, हर शिक्षक, अभिभावक व तंत्र अगर इससे मुंह चुरा रहा है तो वह बच्चों को एक बेहतर जीवन देने की संभावना को नकार रहा है।

-अभिनव कुमार मिश्रा, विद्या भवन शिक्षा संदर्भ

शैक्षिक गतिविधि में संलग्न हजीरा के विद्यार्थी

में पढ़ने की आदत विकसित करने एवं उनकी खोजी प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए मोबाइल लाइब्रेरी कार्यक्रम के लिए 695 पुस्तकें खरीदी गई। योजनानुसार मोबाइल लाइब्रेरी के नियमित फेरे जारी हैं जिससे प्रतिमाह औसतन 500 लड़के 450 लड़कियां और 200 ग्रामीण लाभान्वित हो रहे हैं।

शाखा द्वारा बच्चों को नए गतिविधियों के अवसर मुहैया करवाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार की कार्यशालाएं आयोजित की गई जिनमें पतंग उड़ाने के विज्ञान और पंतग उड़ाते समय रखी जाने वाली सावधानी पर चर्चा की गई। इसमें कक्षा 5 से 8 के 65 बच्चों ने भाग लिया। हजीरा प्रायद्वीप के 19 स्कूलों में लगभग 1239 लड़कियों के लिए सेल्फ डिफेंस कार्यशालाएं हुईं। जूनागाम प्राइमरी स्कूल में 49 बच्चों के लिए आनंद बाजार मेले में बच्चों ने व्यापार के कौशल, हिसाब-किताब, भोजन पकाने का कौशल सीखा। चार प्राथमिक स्कूलों के करीब 380 बच्चों के साथ गैस पाइपलाइन सजगता कार्यक्रम आयोजित किए। इस दौरान टीम द्वारा प्रस्तुत प्रस्तुतीकरण के आधार पर क्वीज का निर्माण किया गया। शाखा की टीम द्वारा आसपास के गांवों में सेनिटेशन के बारे में सर्वे किया गया तथा लागों को सेनिटेशन मुहैया करवाने हेतु जागरूक किया गया।

हिन्दी में सामग्री निर्माण

केन्द्र, अज़ीम प्रेमजी युनिवर्सिटी के लिए हिन्दी में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की सामग्री विकसित करने में जुटा है। इस सामग्री में से अब तक 20 पर्चों का हिन्दी में अनुवाद किया जा चुका है जिनमें से 10 अनुवादों को रिव्यू और वेटिंग के बाद अन्तिम रूप दिया गया। वेटिंग के लिए दो दिवसीय मिटिंग आयोजित कर ए.पी.यू. की फैकल्टी गुरबचन सिंह एवं हृदय कांत दीवान से फीडबैक एवं मार्गदर्शन लिया गया।

रिपोर्टर : डॉ. कामिनी उपाध्याय

अनुभव

श्रमदान से मिला सकून

विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय जहां मैने बी.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया मुझे कई मायनों में मेरे पूर्व की शैक्षणिक संस्थाओं जहां मैंने अध्ययन किया, से फर्क लगा। यहां आयोजित होने वाली शैक्षिक और सह शैक्षिक गतिविधियां हमारे सर्वांगीण विकास में मददगार रही। महाविद्यालय में होने वाले सेमिनार से हमें शिक्षा के नवीन आयामों के बारे में पता चला। यहां मनाए जाने वाले पर्व और योग के माध्यम से बहुत कुछ सीखने को मिला। क्योंकि ये सारी गतिविधियां सालभर हमसे करवाई गई, हम स्वयं सक्रिय रूप से उसमें जुड़े इसलिए विश्वास है कि हम जिस भी स्कूल में अध्यापक बनकर जाएंगे बच्चों के साथ भी इन्हें करवाने में सक्षम हो पाएंगे।

महाविद्यालय में हम प्रतिदिन श्रमदान भी करते हैं। प्रारंभ में हमें यह करने में शर्मिन्दगी महसूस होती थी। महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने श्रमदान के लिए कभी दबाव नहीं डाला। लेकिन देखा कि हमारे प्राध्यापक भी कर रहे हैं तो फिर धीरे-धीरे कार्य करने लगे। जब हमारा महाविद्यालय साफ सुथरा नजर आया तब हमें सकून भी मिला।

महाविद्यालय में प्रत्येक गुरूवार को यूनियन प्रोग्राम होता है। मैं जिस स्कूल और महाविद्यालय में पढ़ी वहां का अनुभव यह रहा कि अधिकांश अवसरों पर कुछ ही विद्यार्थियों को बार-बार मौका मिलता। लेकिन विद्या भवन में हमें ऐसा मंच मिला जहां प्रत्येक बच्चे ने अपनी प्रतिभा के अनुसार कोई न कोई प्रस्तुति जरूर दी।

शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम में जो सीखने को मिला वह महाविद्यालय की कक्षाओं में बैठकर मात्र किताबों से नहीं मिल पाता। हमें शिक्षण की छोटी-छोटी बारीकियों से अवगत करवाया गया।

विद्या भवन में रह कर हमें समुदाय के साथ काम करने के भी कई अवसर मिले। विद्या भवन का वनशाला शिविर इसका सबसे अच्छा उदाहरण है।

–जया नेहलानी, बी.एड. विद्यार्थी, विद्या भवन गो.से. शिक्षक महाविद्यालय

छात्रावृत्ति वितरण समारोह

विद्याभवन विद्याबंधु संघ, विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल के प्रतिभावान एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष छात्रवृत्तियां एवं वित्तीय सहायता विद्या बंधु फाउण्डेशन के मार्फत वितरित करता है। इस वर्ष 29 विद्यार्थियों को रुपये 48,000/- की राशि का वितरण दिनांक 02.03.2016 को विद्यालय में आयोजित समारोह में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापकों/अध्यापिकाओं, अभिभावकों के साथ-साथ विद्या बंधु संघ की अध्यक्षा पुष्पा शर्मा एवं सचिव जगमोहन दवे भी उपस्थित थे। विद्या बंधु संघ की अध्यक्षा पुष्पा शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे और कड़ी मेहनत कर अधिक से अधिक संख्या में ये छात्रवृत्तियां प्राप्त करने का प्रयास करें।

S. No.	In memory of	Purpose	Beneficiary	Amount
1.	Shri Abdul Kalam	Highest Marks in Xlass X	Anil Meena XI C	1500/-
2.	Shri Abu Shaukat	Needy cum merit Student	Lakshman Khatik IX C	1500/-
3.	Shri Abu Yusuf	Best All-rounder	Bhima Ram Garasiya XI A	1500/-
4.	Shri M S Jani	Needy cum merit Student	Pawan Vaishnav IX B	1500/-
5.	Shri J S Nahar	Highest Marks in VIII Class	Khemraj Meghwal IX B	750/-
6.	Taj Khanji	Highest Marks - Draw.Jr. Sec	Kashish Sharma - II	1500/-
7.	Taj Khanji	Needy cum Merit Jr. Section	Jagdish IV	1500/-
8.	Taj Khanji	Highest Marks Class X-Girl	Raina Meena XIA, Diksha Meghwal XI A	1500/-
9.	Fatima Bai W/o. Taj Khanji	All Rounder - Games	Ajay Meena XII A	1500/-
10.	Sakina Bai W/o. Taj Khanji	All Rounder - Games	Sachin Meena IX A	1500/-
11.	Taj Khanji	Highest Marks in VIII Class	Lakshit Choubisa IX B	750/-
12.	Taj Khanji	Needy cum merit Student	Prem Shankar IX C	1500/-
13.	Taj Khanji	All rounder Jr. Section	Deepti Mai Padihar IV	1500/-
14.	Shri Keshav Sharma	Curricular Activity	Deena Vyas XI B	1500/-
15.	Shri Ganpat Sharma	Needy cum merit Student	Vikram Singh XII B	1500/-
16.	Mrs Kanchan Bapna	Needy cum merit Student	Kiran Salvi VIA	1500/-
17.	Shri GL Joshi	Highest Marks XI Drawing	Garima Shrimali XII B	1500/-
18.	Mrs Razia Tehsin	Needy cum merit Student (Girl)	Mahima DodiyaXII B	1500/-
19.	Shri SPS Bhandari	Needy cum Merit Jr. Section	Deepak Gameti VI	1500/-
20.	Shri S S Bhandari	Needy cum merit Student	Gajendra Krishnawat XII C	1500/-
21.	V. Bhawan Vidya B.Sangh	Highest Marks Class XI	Meena Suthar XII C	1500/-
22.	Late Shri ML Shrimali	Needy cum merit Student	Hemant Gurjar IXB	1500/-
23.	Sh.Mahendra Pratap Baya	Needy cum merit Student	Yashaswi Vaishnav IX A	3000/-
24.	Sh.Mahendra Pratap Baya	Needy cum merit Student	Kajal Nayak XI C	3000/-
25.	Late Shri M.M. Mehrotra	Student of Class XI securing max. marks in Mathematics of VB S.SS	Bafin Verma XI A	1500/-
26.	Late Smt. Kalavati Devi	Needy cum merit Student	Nikhil Tailor XI C	1000/-
27.	Late Shri Vir Pal Singh	Needy cum merit Student	Mohd. Danish Raza XII C	1000/-
28.	Sh. Prem Prakash Garg To be nominated V.B.Sangh	Needy Student recommended by VB Sangh	Rahul Khatik XI A	3000/-
29.	Sh. Mahendra Khatri	All Rounder - Games	Naresh Meena XI A, Pradeep Kumar MeenaXII A (2014-15)	2000/- 2000/-

Book-Post (Printed Matter)

If undelivered please return to:

Vidya Bhawan Education Resource Centre
Vidya Bhawan Society Campus,
Dr. Mohan Sinha Mehta Marg,
Fatehpura, Udaipur (Raj.) - 313004.
Phone : 0294-2451497
E-mail : vbkhojkhabar@gmail.com
Website: www.vberc.org / www.vidyabhawan.org

To,

.....

.....

.....

.....

प्रकाशक : विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र, डॉ. मोहन सिंह मेहता मार्ग, विद्या भवन सोसायटी परिसर, उदयपुर (राज.) फोन : 0294–2451497
मुद्रक : संजय प्रिंटर्स, 71–महिला मण्डल के पास, उदयपुर (राज.) फोन : 9001000700, 9414316479